Topic 1 :– चुनाव में बाहुबल और धनबल का दुरुपयोग

हाल ही में निर्वाचन आयोग ने 75 साल के इतिहास में, पहली बार 2024 के आम चुनावों के दौरान, अब तक की सबसे अधिक प्रलोभन संबंधी सामग्री जब्त करने की कार्यवाही की।

यह कार्रवाई निष्पक्ष चुनाव के तहत की गई है जिसमे ECI ने धनबल के प्रयोग को रोकने के लिए 1 मार्च से हर दिन 100 करोड़ रुपये जब्त किए है। पहले चरण के मतदान प्रारंभ होने से पहले ही ECI ने अभी तक 4650 करोड रुपए जप्त किए हैं। साथ ही आयोग ने आश्वासन दिया है कि यह कार्यवाही इसी प्रकार निरंतर जारी रहेगी।

18वीं लोकसभा के लिए पहले चरण के मतदान शुरू होने से पहले ही धनबल के खिलाफ निर्वाचन आयोग ने कानून के तहत कार्यवाही करते हुए 4650 करोड़ से अधिक रुपये की रिकॉर्ड जब्ती की। जप्त की गई सामग्री में 45 प्रतिशत जब्ती ड्रग्स और अन्य नशीले पदार्थों की हुई है।

जबकि लोकसभा चुनाव 2019 में पूरे चुनाव के दौरान जब्त की गई धनराशि 3475 करोड़ रुपये थी।

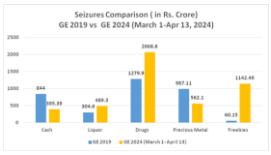

Topic 2 :– मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल

चर्चा में क्यों :– हाल ही में डीआरडीओ एवं भारतीय सेना ने मिलकत स्वदेशी मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल का परीक्षण आयोजित किया।

इस गाइडेड मिसाइल को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) द्वारा डिजाइन और विकसित किया है।
जिसका परीक्षण पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में आयोजित किया गया।

दिन और रात तथा सभी मौसम में उपयोगी :–

Result Mitra

मिसाइल के फायरिंग प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद सेना और डीआरडीओ द्वारा स्पष्टीकरण दिया गया है कि यह मिसाइल दिन और रात किसी भी समय और किसी भी मौसम में प्रयोग किए जाने के लिए तैयार है

यह मिसाइल इतनी सक्षम है की दुश्मन के आधुनिक कवच संरक्षित मुख्य युद्धक टैंकों को भी खत्म कर सकती है।

इसी प्रकार सिक्किम में भारत-चीन सीमा के नजदीक त्रिशक्ति कोर ने 17,000 फीट की ऊंचाई पर जिसे सुपर हाई एल्टीट्यूड एरिया के रूप में जाना जाता है बहा एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल (एटीजीएम) दागने का सफल परीक्षण किया।

इस परीक्षण को 'एक मिसाइल एक टैंक' के नाम से जाना गया।

डीआरडीओ की स्थापना :– वर्ष 1958 में की गई।

डीआरडीओ की स्थापना का मुख्य उद्देश्य भारतीय सेना को हथियार और उपकरणों में आत्मनिर्भर बनाना था

इसकी स्थापना निम्नलिखित संगठनों का महत्वपूर्ण योगदान था :–

1.रक्षा विज्ञान संगठन (Defence Science Organisation- DSO)
2. भारतीय सेना के तकनीकी विकास प्रतिष्ठान (Technical Development Establishment- TDEs)
3. तकनीकी विकास और उत्पादन निदेशालय (Directorate of Technical Development & Production- DTDP)

वर्तमान में डीआरडीओ के अध्यक्ष समीर वी. कामत है

डीआरडीओ एक संस्था न होकर संस्थाओं का समूह है जिसमे वर्तमान में 50 प्रयोगशालाओं योगदान है

इन सभी प्रयोगशालाओं का एक ही उद्देश्य है सुना के लिए उन्नत हथियारों का निर्माण करना जैसे- वैमानिकी, शस्त्र, इंजीनियरिंग प्रणालियाँ, इंस्ट्रूमेंटेशन,इलेक्ट्रॉनिक्स, लड़ाकू वाहन, मिसाइलें, विशेष सामग्री, नौसेना प्रणाली, लाईफ साइंस, प्रशिक्षण, उन्नत कंप्यूटिंग और सिमुलेशन,सूचना प्रणाली तथा कृषि के क्षेत्र में कार्य कर रहा है।

Result Mila

Topic 3 :–मूडीज एनालिटिक्स और भारत की जीडीपी

चर्चा में क्यों :– मूडीज एनालिटिक्स : 2024 में भारत की जीडीपी 6.1 फीसदी बढ़ेगी

मूडीज एनालिटिक्स के द्वारा अनुमान लगाया गया है की वर्ष 2024 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 6.1 फीसदी वृद्धि रहेगी। इससे पहले मूडीज ने मार्च में भारत की जीडीपी में 6% से वृद्धि होने का अनुमान लगाया था

मूडीज एनालिटिक्स ने हाल ही में एक रिपोर्ट प्रकाशित की जिसका शीर्षक 'एपीएसी आउटलुक: लिसनिंग थ्रू द नॉइज' था इसमें अपनी ताजा रिपोर्ट में कहा, 'हमें उम्मीद है कि भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) पिछले साल 7.7 फीसदी बढ़ने के बाद 2024 में 6.1 फीसदी बढ़ेगी।'

Topic 4 :– भारतीय वायु और तेजस विमान

चर्चा में क्यों :– हाल ही में भारतीय वायु सेवा के द्वारा हिंदुस्तान एयरोनॉटिकल लिमिटेड को 97 LCA मार्क 1-A फाइटर जेट खरीदने हेतु ऑर्डर दिया गया।

97 LCA को खरीदने में कुल लागत लगभग 65 हजार करोड़ रुपये से अधिक रहने की संभावना है।

LCA मार्क 1-A फाइटर जेट वायु सेना के लिए जरूरी क्यों :–

ये विमान वायुसेना में मौजूद मिग-21, मिग - 23 और मिग-27 जो काफी पुराने हो गए हैं उनका स्थान लेंगे।

भारतीय वायु सेवा द्वारा इन विमान का प्रयोग करने के लाभ :–

- :– सेना में स्वदेशी कारण को बढ़ावा मिलेगा
- :– अन्य देशों के इक्विपमेंट पर निर्भरता कम होगी
- :–भारत की स्वदेशी कंपनिया को अधिक कांटेक्ट मिलेंगे
- :– दुनिया के अन्य देशों का भारतीय डिफेंस इक्विपमेंट में विश्वसनीयता बढ़ेगी
- :– रक्षा कारोबार से जुड़ी लघु एवं मध्यम कंपनियों का व्यवसाय भी बढ़ेगा

Topic 5 :– नवरेह उत्सव

चर्चा में क्यों :– हाल ही में जम्मू कश्मीर क्षेत्र में नवरेह उत्सव का आयोजन किया गया

नवरेह को कश्मीरी नव वर्ष भी कहा जाता है

Result Mi

इस उत्सव को कश्मीरी हिंदुओं द्वारा कश्मीरी नव वर्ष के पहले दिन उत्सव के रूप में मनाया जाता है ,इस उत्सव में मुख्य रूप से कश्मीरी हिंदू समुदाय के कश्मीरी पंडित सामिल होते हैं।

नवरेह त्योहार देवी शारिका को समर्पित होता हैं।

इस उत्सव को कश्मीरी हिंदू कैलेंडर के चैत्र (मार्च-अप्रैल) महीने के शुक्ल पक्ष (शुक्ल पक्ष) के पहले दिन आयोजित किया जाता है।

उत्सव से एक दिन पूर्व स्नान का एक आयोजन होता है जिस द्वारान श्रद्धालु पवित्र विचर नाग के झरने की यात्रा करते हैं तथा इस झरने में स्नान करते है। स्नान करना एक विषेश परंपरा है जिसमे स्नान करके मलिनता को त्यागा जाता हैं। स्नान के पश्चात् प्रसाद ग्रहण किया जाता है।इस प्रसाद को 'व्ये' के नाम से जानते हैं।

इस प्रसाद को बनाने में विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियाँ का प्रयोग किया जाता है।

Topic 6 :– शक्ति - संगीत और नृत्य का उत्सव

चर्चा में क्यों :– हाल ही में संगीत नाटक अकादमी द्वारा शक्ति नाम से एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है

देश की लोकप्रिय शक्तिपीठों पर संगीत नाटक अकादमी के द्वारा एक संगीत और नृत्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है

आयोजन किसके द्वारा :– संगीत नाटक अकादमी

जब से कब तक 9 से 17 अप्रैल, 2024 तक।

यह समारोह और त्योहार का आयोजन देश के अलग-अलग सात शक्तिपीठों (पवित्र स्थलों) में किया जाता है।

उद्घाटन :–

शक्ति उत्सव का उद्घाटन 9 अप्रैल, 2024 को

Result Mitra

उद्घाटन स्थल :–
उद्घाटन असम के गुवाहाटी में कामाख्या मंदिर से।

जिसके बाद इस समारोह का आयोजन देश के अलग अलग भागों में स्थापित निम्नलिखित सात शक्तिपीठों में किया जाएगा:

कामाख्या मंदिर, गुवाहाटी (असम)
महालक्ष्मी मंदिर, कोल्हापुर (महाराष्ट्र)
अम्बाजी मंदिर, बनासकांठा (गुजरात)
शक्तिपीठ माँ हरसिद्धि मंदिर, उज्जैन (मध्य प्रदेश)
जय दुर्गा शक्तिपीठ, देवघर (झारखण्ड)
ज्वालामुखी मंदिर, काँगड़ा (हिमाचल प्रदेश)
त्रिपुरा सुंदरी मंदिर, उदयपुर (त्रिपुरा)

समारोह का महत्व:–

यह उत्सव भारत की समृद्ध और सांस्कृतिक की परंपराओं, विशेष रूप से शक्तिपीठों से जुड़ी मंदिर परंपराओं को पुनर्जीवित करते साथ ही संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका दर्शाता है।.

संगीत नाटक अकादमी (SNA) :–

यह भारत सरकार द्वारा स्थापित भारत की संगीत और नाटक की सबसे बड़ी राष्ट्रीय स्तर की अकादमी है

स्थापना :– 1953 में एक संसदीय प्रस्ताव के माध्यम से

पुनर्गठन:– 1961 में।

मुख्यालय :– नई दिल्ली में स्थित है,

मंत्रालय :– संस्कृति मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संस्थान के रूप में कार्य।

यह भारत की एक शीर्ष संस्था है जो संगीत, नाटक और नृत्य के माध्यम से व्यक्त समृद्ध अमूर्त विरासत के संरक्षण और प्रचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

प्रबंधन :– सामान्य परिषद द्वारा

परिषद :– परिषद का अध्यक्ष पांच वर्ष की अवधि के लिए राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त।

अकादमी भारत की सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और संरक्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।
अकादमी द्वारा प्रतिष्ठित उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार प्रदान किया जाता है यह पुरस्कार 40 वर्ष से कम आयु के कलाकारों को दिया जाता है, जिन्होंने नृत्य, संगीत और थिएटर में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया हो।

Result Mitra

SNA की वर्तमान अध्यक्ष डॉ. संध्या पुरेचा हैं।

Result Mitra